राजधानी में 2015 तक बनेंगे तीन नए रिंग रोड

- डीडीए ने किए निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर करने के प्रयास तेज
- केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय ने परियोजना को गंभीरता से लेने के दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : तीन राष्ट्रीय राजमार्गों को जोड़ने के लिए प्रस्तावित तीन अर्बन एक्सटेंशन रोड की राह में आ रही दिक्कतों को दूर करने की कवायद तेज हो गई है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) संभावना तलाश रहा है कि इन सड़कों की राह में बाधा बन रहे निर्माण को हटाने की बजाय वहां ऊपरगामी (एलीवेटेड) सड़कें बनाई जाएं। केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय द्वारा इस परियोजना पर गंभीरता से काम करने के निर्देश के बाद डीडीए की कोशिश है कि इन तीनों सड़कों (जिन्हें दिल्ली के लिए नया रिंग रोड माना जा रहा है) का काम 2015 तक पूरा हो जाए।

डीडीए ने कई साल पहले तीन अर्बन एक्सटेंशन रोड बनाने का निर्णय लिया था। अर्बन एक्सटेंशन रोड-दो पर काम शुरू हो चुका है, लेकिन इसको लेकर जमकर विवाद हो रहा है। इसके लिए डीडीए सैकड़ों बीघा भूमि अधिग्रहित कर 2006 में नोटिस भी जारी कर चुका है, लेकिन यदि डीडीए की योजना के मुताबिक अर्बन एक्सटेंशन रोड बनता है तो कई इलाकों में बसे लोगों को उजड़ना पड़ सकता है। लोग जमकर विरोध कर रहे हैं। इसके चलते दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग के अधिकारी अर्बन एक्सटेंशन रोड के नक्शे में बदलाव की सिफारिश कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक डीडीए ने कोई ठोस फैसला नहीं लिया है।

कहां-कहां से गुजरेंगे रिंग रोड

- **अर्बन एक्सटेंशन रोड-एक**
वजीराबाद बाईपास से राष्ट्रीय राजमार्ग 1, 8 व 10 को जोड़ेगी। यह रोड नरेला, बवाना, टीकरी कलां, मितराऊ, बिजवासन व रजोकरी से हो कर गुजरेगी। इसकी लंबाई 57.24 किलोमीटर होगी।
- **अर्बन एक्सटेंशन रोड-दो**
वजीराबाद बाईपास से रोहिणी फेज चार व पांच होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग 1, मुंडका, बक्करवाला, ढिंचाऊकलां, नजफगढ़, छावला व दवरिया से राष्ट्रीय राजमार्ग आठ और शिवमूर्ति होते हुए बदरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 2 को जोड़ेगी। इसकी लंबाई 79.12 किलोमीटर होगी।
- **अर्बन एक्सटेंशन रोड तीन**
वजीराबाद बाईपास से बख्तावरपुर, बादली, रोहिणी फेज तीन-बेगमपुर, अमर कालोनी के रास्ते राष्ट्रीय राजमार्ग 1 से राष्ट्रीय राजमार्ग 8 को जोड़ेगी। इसकी लंबाई 20.08 किलोमीटर होगी।

जनवरी सत्र के लिए इग्नू में दाखिला प्रक्रिया शुरू

- दाखिले की अंतिम तारीख 30 नवंबर
- लेट फीस के साथ 20 दिसंबर तक दाखिला संभव

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जनवरी 2013 सत्र के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू कर दी है। दाखिले की अंतिम तारीख 30 नवंबर है। जबकि लेट फीस के साथं दाखिले 20 दिसंबर तक होंगे। इच्छुक छात्र इग्नू के क्षेत्रीय कार्यालय में दाखिला आवेदन फार्म लेकर भर सकते हैं।

इग्नू के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी रवि मोहन ने बताया कि जनवरी सत्र के लिए जिन विशेष कोर्सों में दाखिले खुले हैं, उनमें एमएससी मेथमेटिक्स विद एप्लीकेशन इन कंप्यूटर साइंस, पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा इन हॉस्पिटल एंड हेल्थ मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा जेरियाट्रिक मेडिसन, पीजी डिप्लोमा इन एचआइवी मेडिसन, डिप्लोमा इन नर्सिंग एडमिनिस्ट्रेशन के अलावा डिप्लोमा इन क्रिटिक्ल केयर नर्सिंग शामिल हैं। इन कोर्सों के अलावा कई परंपरागत विषयों में दाखिले लिए जाएंगे। स्नातक स्तर पर भी इग्नू कई पाठ्यक्रम संचालित करते हैं, जिनमें व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी शामिल है। साथ ही डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्सेज भी संचालित होते हैं। रवि मोहन बताते हैं कि पाठ्यक्रमों की जानकारी के लिए प्रोस्पेक्ट्स सहित दाखिला आवेदन फार्म इग्नू के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों पर उपलब्ध हैं। इसके अलावा कनॉट प्लेस वाइएमसीए स्थित सिटी सेंटर में भी फार्म मिल रहे हैं। फार्म की कीमत सौ रुपये है। इग्नू की वेबसाइट से भी ऑनलाइन आवेदन की सुविधा है।

बीमा पॉलिसी के नाम पर महिला से ठगे जेवरात

जासं, नई दिल्ली : शक्ति नगर इलाके में एक ठग ने खुद को बीमा कंपनी कर्मचारी बता महिला से लाखों रुपये के जेवरात ठग लिए। पुलिस ठगी का मुकदमा दर्ज कर ठग की तलाश कर रही है। शक्तिनगर में व्यापारी राधे श्याम अग्रवाल की विधवा मां प्रेमवती अग्रवाल रहती हैं। 19 अक्टूबर की सुबह प्रेमवती के घर पर एक व्यक्ति आया और खुद को बीमा कर्मचारी बताते हुए कहा कि उनके पति आर.डी. अग्रवाल की 6 लाख 50 हजार रुपये की पॉलिसी की अवधि पूरी हो चुकी है। राशि का चेक उसके पास है। लेकिन चेक के लिए उन्हें जमानत के रुप में गहने अथवा नकदी देना होगा। महिला ठग के झांसे में आकर उसे अपनी सोने की चार चूड़ियां तथा एक चेन दे दिए।

वैज्ञानिक की चेन उड़ाई : तिमारपुर क्षेत्र में मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने महिला वैज्ञानिक की चेन उड़ा ली। चार तोले की चेन के पेंडेंट में हीरा जड़ा हुआ था। घटना 18 अक्टूबर की है। इंस्टीट्यूट ऑफ जिनोमिक्स एंड इंटेग्रेटिव बायोलॉजी में मुख्य वैज्ञानिक के पद पर कार्यरत सुशीला श्रीधारा आरटीवी कार्यालय के समीप परिचित का इंतजार कर रही थीं।

आखिर क्यों फटा सीएनजी पंप पर गैस सिलेंडर, जांच शुरू

जागरण संवाददता, नई दिल्ली : गाजीपुर स्थित इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के पंप पर शनिवार रात मारुति इको वैन में सीएनजी भरने के दौरान कंपनी फिटेड सीएनजी सिलेंडर क्यों और कैसे फटा, इसकी कई स्तर पर जांच शुरू हो गई है। इस घटना ने जहां कंपनी के इंजीनियरों की नींद उड़ा दी है, वहीं राजधानी वासी भी घटना से हैरान हैं।

धमाके की जांच में पूर्वी जिला क्राइम टीम के अलावा आइजीएल (इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड) के विशेषज्ञ भी जुट गए हैं। रविवार दोपहर आइजीएल और दिल्ली पुलिस की क्राइम टीम ने कार और घटनास्थल का मुआयना किया। आशंका व्यक्त की जा रही है कि ईको वैन में लगी सीएनजी सिलेंडर की चादर पतली थी, जिसकी वजह से सिलेंडर गैस प्रेशर नहीं झेल पाया और फट गया। रविवार को दिनभर गाजीपुर का यह पंप जांच के लिए बंद रहा। पुलिस ईको वैन के अलावा इस हादसे में क्षतिग्रस्त सैंट्रो कार और ऑटो को भी कब्जे में लेकर जांच कर रही है। अधिकारियों के अनुसार गैस भरने के दौरान आमतौर पर छोटे हादसे तो होते हैं, लेकिन सिलेंडर फटने के मामले न के बराबर होते हैं। शनिवार रात साढ़े आठ बजे शकरपुर एस ब्लाक निवासी जगवीरा अपनी मारुति इको वैन में सीएनजी डलवाने के लिए गाजीपुर स्थित पंप पर गया था। गैस डालते समय अचानक वैन में धमाका हुआ, जिससे वैन के परखच्चे उड़ गए। घटना में गैस भर रहे कर्मचारी अरविंद, गिरीश कुमार और कैलाश चंद घायल हो गए थे। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर वे अपने वाहनों में कहीं भी गैस भरवाते हैं तो गाड़ी से बाहर निकल कर दूर खड़े हो जाएं।

क्षतिग्रस्त सीएनजी पंप। फाइल फोटो

गंगाजल आपूर्ति 22 अक्टूबर की रात से 11 नवंबर तक बंद

वरिष्ठ संवाददाता, गाजियाबाद : प्रताप विहार गंगाजल परियोजना से हिंडन पार क्षेत्र की कई कॉलोनियों में गंगाजल की आपूर्ति 22 अक्टूबर से बंद हो जाएगी। ये जलापूर्ति 11 नवंबर तक बंद रहने के आसार हैं। हालांकि अभी तक इसकी अधिकारिक घोषणा नहीं हुई है लेकिन जल निगम व नगर निगम इस बात को मानकर चल रहे हैं कि आपूर्ति बंद रहेगी। इसी के मद्देनजर स्थिति से निपटने के लिए नगर निगम ने कवायद शुरू कर दी है।

साहिबाबाद की कालोनी इंदिरापुरम, वसुंधरा, वैशाली, कौशांबी, बृज विहार, सूर्य नगर, चंद्र नगर, रामपुरी, रामप्रस्था में गंगाजल की आपूर्ति होती है। चूंकि गंगाजल की आपूर्ति नगर निगम को प्रताप विहार गंगाजल परियोजना से होती है। जहां कभी-कभी तकनीकी खराबी आ जाती है जिससे पानी की आपूर्ति बंद हो जाती है। गंगनहर की सफाई के चलते 16-17 अक्टूबर से गंगाजल आपूर्ति बंद करने का निर्णय लिया गया था लेकिन बाद में यह पता चला कि आपूर्ति 22 अक्टूबर को बंद होगी। जो 11 नवंबर तक चलेगी। इसकी जानकारी अभी तक सिंचाई विभाग ने आधिकारिक तौर पर नगर निगम को नहीं दी है।

प्रथम पृष्ठ के शेष

सोनिया, पीएम को बहस की चुनौती

बहस के लिए राजी नहीं कर पाते हैं तो लोग यही सोचेंगे कि कांग्रेस महासचिव सस्ती लोकप्रियता हासिल करने और असल मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए यह सब कर रहे हैं। केजरीवाल ने कहा 'वाड्रा और लोकपाल मसले पर कांग्रेस नेतृत्व ने हमारे सवालों का अभी तक जवाब नहीं दिया है। मैं चाहता हूं कि दिग्विजय हमारे सवालों का जवाब प्रधानमंत्री, वाड्रा और हरियाणा के मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा से पूछ कर बताएं।' भ्रष्टाचार विरोधी राजनीतिक कार्यकर्ता के मुताबिक, 'वे (कांग्रेसी) हमारी निजी जिंदगी के बारे में हमसे खूब सवाल पूछें। हम उत्तर देंगे। फिर हम उनसे सवाल पूछेंगे, उन्हें उसका जवाब जनता के बीच देना चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि अब खुली बहस होनी चाहिए और दिग्विजय इसके लिए अपने नेताओं को उत्साहित करें।

केजरीवाल कानून हाथ में न लें: शिंदे : जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे ने भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन कर रहे अरविंद केजरीवाल को कानून हाथ में न लेने की चेतावनी दी है। शिंदे ने केजरीवाल को आत्मनिरीक्षण करने की सलाह देते हुए कहा कि इससे समाज में अनुशासनहीनता की स्थिति पैदा हो रही है और सरकार इसे सहन नहीं करेगी। केजरीवाल द्वारा बिजली के कनेक्शन जोड़े जाने की ओर इशारा करते हुए कहा कि बिल जमा नहीं होने की वजह से काटे गए कनेक्शन को गैरकानूनी तरीके से जोड़ने की घटना को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

पूर्व साथी ने मांगा चंदे का हिसाब

पूछा कि बलिदान से क्यों डर गए? क्या राजनीति में उतरना उनकी शुरू से महत्वकांक्षा नहीं थी? फिर कोहली ने केजरीवाल से कहा कि वह अपनी स्थिति देश के सामने स्पष्ट करें। इस शोर-शराबे के बीच केजरीवाल ने सिर्फ इतना कहा कि चुनाव लड़ना गलत नहीं है। जो लड़ाई वह भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहे हैं, वह किसी सूरत में बंद नहीं होगी। इतना कहकर केजरीवाल आइएसी दफ्तर के अंदर चले आए। केजरीवाल ने मीडिया को जवाब दिया कि कोहली का सवाल समझ में नहीं आया, अगर आता जो जवाब देता। वह कोहली को नहीं जानते हैं। इसके बाद कोहली ने मीडिया से कहा कि केजरीवाल अन्ना के साथ धोखा कर चुके हैं। अब देश के साथ धोखा कर रहे हैं। अगर सब कुछ सही होता तो अन्ना क्यों टीम भंग करते। बाद में पुलिस ने मामला शांत कराया।

हज पर जाने से रोके गए सलमान खुर्शीद

एसएम कृष्णा को कर्नाटक वापस भेजने की पूरी तैयारी थी। ऐसे में प्रबल आसार थे कि मृदुभाषी व बेहद नाप-तौलकर बोलने वाले खुर्शीद को विदेश मंत्री की जिम्मेदारी भी दी जाए। सूत्रों के मुताबिक विकलांगों के नाम पर हुई धांधली में नाम उछलने और उसके बाद हुए घटनाक्रम ने इन संभावनाओं को गहरा धक्का पहुंचाया है। दरअसल, कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व भी मान रहा है कि खुर्शीद अपने ऊपर लगे आरोपों का प्रभावी बचाव नहीं कर सके। इसके अलावा जिस तरह की धमकी भरी भाषा और तेवर उन्होंने मीडिया में दिखाए, उससे उनकी मृदुभाषी छवि भी जाती रही। सलमान के करीबी सूत्रों ने हालांकि दावा किया है कि बेहद जरूरी कामों की वजह से प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने उन्हें रोका है। कोयला घोटाले समेत तमाम ऐसे मसले हैं, जिन पर अभी कानून मंत्री की जरूरत है। ऐसे में अगले दस दिनों के लिए उन्हें छोड़ा नहीं जा सकता। हज यात्रा पर भारत की नुमाइंदगी के लिए अब विदेश राज्य मंत्री अहमद सोमवार को सऊदी अरब रवाना होंगे। भारत सरकार का पैगाम लेकर वह सऊदी अरब के शाह से मिलेंगे। इस दौरान सऊदी अरब में भारत के राजदूत भी उनके साथ होंगे।

पीएम पद की उम्मीदवारी पर संघ से नहीं हुई बात

भागवत, महासचिव भैयाजी जोशी व सुरेश सोनी से मिले और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। पीएम पद की दावेदारी के सवाल पर उन्होंने स्पष्ट किया कि संघ ऐसे मामलों में दखल नहीं देता। मोदी विशेष विमान से यहां पहुंचे थे और मुलाकात के बाद तुरंत लौट गए। हाल में तमाम भाजपा नेताओं की होड़ में शामिल होते हुए राज्यसभा सदस्य राम जेठमलानी ने मोदी को आम चुनाव के लिए पीएम पद का उम्मीदवार बनाने की वकालत की थी। साथ ही इस पर संघ प्रमुख की सहमति का दावा भी किया था। भाजपा ने संघ के पदाधिकारियों से मोदी की मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया है। दिल्ली में पार्टी प्रवक्ता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, मोदी वरिष्ठ नेता हैं और संघ के शीर्ष नेताओं से भेंट करते रहे हैं, इस मुलाकात को भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए।

संकट में मोदी को आई संघ की याद : गुजरात परिवर्तन पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व भाजपा नेता केशूभाई पटेल ने कहा है कि जब चुनावी लड़ाई कठिन दिख रही है तो मोदी को संघ की याद आई है। परिवर्तन यात्रा पर निकले पटेल ने सूरत में सवाल उठाया कि पिछले कई सालों में मोदी को संघ या नागपुर की याद क्यों नहीं आई? **वस्तानवी ने किया कांग्रेस का प्रचार :** मोदी की तारीफ कर पद गंवाने वाले दारुल उलूम देवबंद के पूर्व उप कुलपति मुहम्मद वस्तानवी अब कांग्रेस का प्रचार कर रहे हैं। मोदी की तारीफ के आरोप से इन्कार करते हुए उन्होंने कहा, जालिम की तारीफ करना गुनाह है।

डेंगू ने ली यश चोपड़ा की जान

शेयर किया था। साथ ही उन्होंने यह घोषणा कर डाली थी कि 'जब तक है जान' उनकी अंतिम फिल्म होगी। उनकी इस घोषणा को प्रशंसकों ने सहज ढंग से स्वीकार नहीं किया था। फिल्म इंडस्ट्री के सदस्यों ने भी कहा था कि अभी यश चोपड़ा जिस तरह से सक्रिय हैं, उसमें सन्यास जैसी बात समझ नहीं आती। निधन की खबर आने के बाद महेश भट्ट ने बताया कि राजेश खन्ना की मृत्यु के बाद एक दिन अचानक यश चोपड़ा का फोन आया था। वह जिंदगी और मौत की बातें कर रहे थे। महेश भट्ट ने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्हें अपने सूर्यास्त का अहसास हो गया था।' शोक संवेदना जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे कबीले का सरदार चला गया। उनके मुताबिक, हिंदी फिल्म इंडस्ट्री एक कबीला है और यश जी इस कबीले के सरदार थे। चाहे-अनचाहे वह इंडस्ट्री की समस्याएं सरकार और विभिन्न संस्थाओं के सामने रखते थे। फिल्म बिरादरी के अधिकांश सदस्यों ने ट्विटर और अन्य सोशल नेटवर्क के जरिए अपनी शोक संवेदनाएं जाहिर की हैं। यश चोपड़ा ने 'धूल का फूल' (1959) से फिल्म निर्देशन की शुरुआत की। शुरू में वह बड़े भाई बीआर चोपड़ा के बैनर के लिए फिल्में निर्देशित करते रहे। 1973 में बड़े भाई से अलग होकर उन्होंने यशराज फिल्म्स की स्थापना की। अपने बैनर के तले 'दाग' उनकी पहली फिल्म थी। 1995 में बेटे आदित्य चोपड़ा की फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' की जबरदस्त कामयाबी के बाद उन्होंने यशराज स्टूडियो की स्थापना पर ध्यान दिया। वर्तमान में आधुनिक सुविधाओं से लैस यह एकमात्र स्टूडियो है, जो किसी सक्रिय फिल्मकार की देखरेख में चल रहा है। उनकी अंतिम फिल्म 'जब तक है जान' अगले महीने 13 नवंबर दीवाली के दिन रिलीज हो रही है।

नशे में गाड़ी चलाने के दोषी को दिया सुधरने का मौका

जासं, नई दिल्ली : द्वारका कोर्ट ने शराब के नशे में धुत होकर गाड़ी चलाने के दोषी व्यक्ति को यह कहते हुए सुधरने का एक मौका दिया कि उस पर घर परिवार की बड़ी जिम्मेदारी है। जेल की सजा देने से उसका भविष्य बर्बाद हो सकता है। मामले में ट्रायल कोर्ट के आदेश को दरकिनार करते हुए अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विकास धौल ने दोषी व्यक्ति को प्रोबेशन पर रिहा कर दिया। मामले में ट्रायल कोर्ट ने नजफगढ़, गोयला डेयरी में रहने वाले राजू नामक एक व्यक्ति को शराब पीकर मोटर साइकिल चलाने का दोषी ठहराया था। कोर्ट ने उस पर दो हजार रुपया जुर्माना व पांच दिन साधारण जेल की सजा दी थी।

उप-क्षेत्रीय कार्यालय
कर्मचारी राज्य बीमा निगम
Employees' State Insurance Corporation
भारत सरकार, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय
सी-22/12, सेक्टर-57, नोएडा, उ.प्र.-201301
बीमाकृत व्यक्ति विशिष्ट व्यक्ति

उ0 क्षे0 का0 नोएडा के अन्तर्गत कार्यान्वित क्षेत्र (गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़, मोदीनगर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बुलन्दशहर, खुर्जा, लोनी व साहिबाबाद) में स्थित

सभी नियोजक कृपया ध्यान दें

कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत ऐसी इकाईयाँ जिनमें सभी प्रकार का उत्पादन संबंधी कार्य चल रहा है और जिनके नियोजन में किसी भी कार्यदिवस या कार्यदिवसों में 10(दस) या उससे अधिक कर्मचारी नियोजित है, ऐसी इकाईयों का कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 की धारा 2(12) के तहत पंजीकरण अनिवार्य है।
इसी प्रकार, यदि किसी संस्थान, दुकान, कार्यालय व लेबर/सिक्यूरिटी गार्ड उपलब्ध कराने वाली संस्था के सेवायोजन में 20 या उससे अधिक कर्मचारी किसी भी एक कार्यदिवस में नियुक्त है या किये गये हों तो ऐसी स्थिति में उन्हें कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 धारा 1 (5) के तहत पंजीकरण अनिवार्य है।
सभी अव्याप्त इकाईयों/संस्थाओं से अनुरोध है कि वे निगम के वेब पोर्टल www.esic.in में अपना ऑनलाईन पंजीकरण करें। साथ ही यह भी अनुरोध है कि अधिनियम के अनुपालन हेतु यदि कार्यालय के अधिकारी आपके संस्थान का दौरा करते हैं तो उन्हें पूर्ण सहयोग दें ताकि भविष्य में किसी शास्ति/अधिभार/हर्जाने व वैधानिक कार्रवाई से बचा जा सके।

चिंता से मुक्ति
(बी.एस. सन्धु)
निदेशक (प्रभारी)

एक ही बीमा नंबर रखो हर बार चाहे बदलो रोजगार कितनी बार
इससे है मिलता, हितलाभ लगातार